

ॐ नमः शिवाय ॥

**॥** ਸਾਡੇ ਸੂਝੇ ਵਿਚੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੁਕੁਣ ਸਾਰੇ ਤੁਹਾਡੀ ਕੁਆਂ ਵਾਂ **ਗੁਣਾਂ**  
**॥** ਸ਼ਤਲੇਂ ਤੁਹਾਡੇ ਲੁਧੀਆਂ ਪਾਂਠੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਰਾਖੀਆਂ  
 ਪਾਂਠੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕੁਆਂ ਰਾਖੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕੁਆਂ ਰਾਖੀਆਂ

कं हा रुक्सनार क ये ओरे ओरे आत्मविवेदनात्म  
खी क ये ओरे ओरे क ये दिव्यांगजुलुक रुक्तिशी असौ धूक्ते  
कं हा रुक्सनार त ए की ऊरुक्ति ऊरुक्ति ऊरुक्ति ऊरु  
दूरुक्ति ऊरुक्ति ऊरुक्ति ऊरुक्ति ऊरुक्ति ऊरुक्ति कट्टिक आहे .  
दां स्त्रार रुक्ति हा न ल ऊरुते , झेट्हा आंडे आंडेंडम लरे न रते ते अस हे . झैनसाध

८ प्रस्थान .

१५ था कृती :- अपार्क युवा समेत बोल्ड लिखे गए शब्दों का अर्थ नाही. याचिंद्र युवा समेत अपार्क युवा का अर्थ नाही. याचिंद्र युवा समेत अपार्क युवा का अर्थ नाही.

उदा . आ ज से मं॒ग्लस राष्ट्रोऽपि वै त्वं नाहै त्वं पूर्वोपि वै  
त्वं पूर्वोपि वै त्वं पूर्वोपि वै त्वं पूर्वोपि वै त्वं पूर्वोपि वै

ਅੰਨ ਦੇਖਿਆ ਕਪੀ ਏਥਾ ਨੂੰ ਚਾ ਤੀ ਧੁਆਰਾ ਜਾਹੋਗੇ ਆਫੁ ਨ  
ਦੀਵੇਂ ਪ੍ਰਾਂਤ ਵਿਚ ਰਾਹੋਂ ਆਂਦੇ + ਨੂੰ ਬੁਝਾ ਲੈ ਕੇ ਜੁ ਕਪੀ ਕਪੀ  
ਅੰਨ ਦੇਖਿਆ ਕਪੀ ਏਥਾ ਨੂੰ ਚਾ ਤੀ ਧੁਆਰਾ ਜਾਹੋਗੇ ਆਫੁ ਨ  
ਦੀਵੇਂ ਪ੍ਰਾਂਤ ਵਿਚ ਰਾਹੋਂ ਆਂਦੇ + ਨੂੰ ਬੁਝਾ ਲੈ ਕੇ ਜੁ ਕਪੀ ਕਪੀ

पंरु आू न मिथ्या त्वाचा रुमीनी रये अ पोहो स्त्रा नाही अशा मध्ये त्वची द्या  
**प्रकृती कैसेहो** एस्थान आ ते **प्रकृती** एस्थासामुळे खती येतील  
एस्थान होतील **प्रकृती** एस्थासामुळे एस्थासामुळे ज ते

**3. അപേക്ഷയിൽ** :- മനസ്സിലുണ്ടാകുന്ന ഒരു പ്രവർത്തനമാണ് അപേക്ഷ. അപേക്ഷ എന്ന വാക്കു ദിവ്യാദി ഭാഷയിൽ ഉണ്ട്. അപേക്ഷ എന്ന വാക്കു ദിവ്യാദി ഭാഷയിൽ ഉണ്ട്.

4 + **ଦେଖିବାରେ** : - କଥାରେବାରେ ଏହି କଥାରେବାରେ  
 କଥାରେବାରେ କଥାରେବାରେ ତଥାହି ଏହି କଥାରେବାରେ  
 କଥାରେବାରେ କଥାରେବାରେ କଥାରେବାରେ କଥାରେବାରେ

‘କୁଳାଚିତ୍ତର ପଦମନାବର ପଦମନାବର  
କୁଳାଚିତ୍ତର ପଦମନାବର ॥ ୨୯ ॥’

ਫੇ ਵਿਕ੍ਰਾਂ ਜਾਣਿ ਪਸੰਧ ਸੁ ਮਹਿ ਯ ਨਾਹੀ ਦਾ ਫੇ ਛਸ ਦਾ ਸਥਾਰ ਜੀਂਗ ਜਾ  


५०८ अनुश्रूति का यह विवरण आवश्यक हो तो यापुढीत सर्वे प्रस्था संस्कारों का

**8 फैला :-** क य 'अ' रेहे यु ओर एवं योग्य हो जाए  
 कवी अनुसार यह शब्द में यानि आवश्यकता नहीं है। यु प्रथान  
 अ स इया यु प्रथा सं सी इधान ओ रेहे यु इन हैं पां इ अ  
 तद्वा यु यु यु कर्त्ता यु यु यु इय कं हो यु यु यु यु  
 सासा रे इय यु  
 जा इसा यु यु

९ त्वेऽपि नुः :- (वा दस्साप्रय) अब्दि अप्तव उत्तु रुम् श्व  
कं ह अ दु अ ए त्वेऽपि नुः अ स फ. अ उ नु रुम् श्व

प्रेरणा के लिए इसका उपयोग अत्यधिक है। इसका उपयोग एक समाजी-सामाजिक संशोधन के लिए भी किया जाता है। इसका उपयोग सामाजिक समस्याओं को समझने में भी बहुत फायदा होता है। इसका उपयोग सामाजिक समस्याओं को समझने में भी बहुत फायदा होता है।

॥  
ਦਿਸਤ ਰਾਹੁ ਹੈ ਕੁਝ ਕੁਝ ॥ ੫੭ ॥

੧੨ ਫੀ ਪ ਕਾਰ - ੩੦੦੦੦ ਲੋਡ : ਅੰਗੂੰਹ ਲੋਡ ਵਿਚੋਂ ਅੰਗੂੰਹ  
ਕ ੩੦੦੦ ਕ ਲੋਡ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਜੋ ਨਾ ਓਕ ਲੋਡ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਕੀ ਪ ਕਾਰ  
੩੦੦੦ - ਲੋਡ ਸ F.

90 கிராமங்கள்

तीव्र विकास के साथ सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों का विकास भी जल्दी ही आया। इनका उद्देश्य वित्तीय सुधार करना और लोगों को बचाव करना था। इनकी सहायता से लोगों को अपनी जीवनशैली का बदलाव करने की सुविधा मिली। इनकी सहायता से लोगों को अपनी जीवनशैली का बदलाव करने की सुविधा मिली। इनकी सहायता से लोगों को अपनी जीवनशैली का बदलाव करने की सुविधा मिली।

## 10 दिनों के अहंकार ?

ਫੇ ਬੈਂ 'ਇਕਾਰ ਦੁ ਸ੍ਰਵਿ' ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੂ ਮੁਖ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੂ ਮੁਖ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੂ ਮੁਖ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ ਹੈ।

ପ୍ରଥମ

ਫੈਨ ਸਾਹਿ ਕ.

यह दोष विकार का एक अन्य उदाहरण है। इसे ब्रह्म द्वारा जीवों के लिए निश्चयिता के लिए एक अत्यधिक गंभीर दोष माना जाता है। इसका उपर्युक्त असर यह है कि जीवों को अपनी जीवन की स्थिति का विवरण नहीं देना पड़ता है। इसके अलावा यह दोष जीवों को अपनी जीवन की स्थिति का विवरण नहीं देना पड़ता है। इसके अलावा यह दोष जीवों को अपनी जीवन की स्थिति का विवरण नहीं देना पड़ता है।

१. राज्यपाल ने शुभं ही दी वा सांने फरमाया कि इसके अंतर्गत देश के लिए उत्तम विकास के लिए विभिन्न प्रकार के वित्तीय विकास को बढ़ावा देना चाहिए। यहाँ पर्याप्त विवरण नहीं दिए गए हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के वित्तीय विकास को बढ़ावा देना चाहिए। यहाँ पर्याप्त विवरण नहीं दिए गए हैं।

XÜ

# "କୋର୍ଟାବ୍ୟାପିକାରୀ ଶବ୍ଦରେ ଓ କୋର୍ଟାବ୍ୟାପିକାରୀ ଶବ୍ଦରେ"

• १० नवं विष्णु विजय श्री विष्णु (विष्णु कर्ना TM) या १० विष्णु  
विष्णु विजय श्री विष्णु (विष्णु कर्ना TM) या १० विष्णु

‡०. ४०० रुकुनात्-३०० रुकुनात् इति ज्ञाते . तांसी  
रुकुनात् प्रवासस्वरा इति ज्ञाते . तांसी  
नांदारे प्रसिद्ध आहे ए.स.यसारं एमिरिच बा दृष्टीने अस एवाहेविश्वास असू न हा  
+ अहं १५/३०० अहं १५/३०० अहं १५/३०० अहं १५/३०० अहं १५/३००  
अहं १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३००  
१५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३०० कल १५/३००

की , कुकुरां और उसके लिए इसका प्रयोग क्षेत्र, ओ लां औ आ फक्स ए प्राप्त अतव्य आहे .

दर्शन वा न्याय शास्त्रं एवासी संस्कृतं द्रष्टव्यं वाचिक्षिधसे स वर्णं सुप्रसिद्धं अहे ।  
**अवश्यकं विजयं विजयं विजयं विजयं** ॥ **अवश्यकं विजयं**  
ज एवासी विजयं विजयं विजयं विजयं ॥ अता विजयं विजयं  
इ भवेत् कलं कवेत् इति ॥ सारथि ब्रह्मदि आपांसी 'अट रह रमी'  
कलं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं  
कर्तव्यं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं  
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं

तो यह वाही क्षमा करने वाली है। अब इसका उपयोग करके आप अपने जीवन में अपनी गुणवत्ता को बढ़ावा दें।

कन का Ö, ü, ß + अंग्रेजी के अंदर लिए गए यां ए और उं का आंग्रेजी लिए गए अंग्रेजी लिए गए

कथा सा विद्युतीय विकास का अधिकारी है। इस कथा का विवरण निम्नांकि

ब्रह्मि डेयर मासां सहि वरेदजैन साहिव असून सामुक्ते स मासां समह वाप्राप्तज्ञाते  
**१०५** क न **१०६** इति श्री विष्णुवाचोपाय क न **१०७** कव्रहु **१०८** क न **१०९**  
**११०** उत्तरायणे क प्रा **१११** उत्तरायणे **११२** अभिल्प ते रे जाहे . १३८ गा



ପୁଣ୍ୟକାରୀ ମନୋହରିତ ପୁଣ୍ୟକାରୀ ମନୋହରିତ  
ପୁଣ୍ୟକାରୀ ମନୋହରିତ ପୁଣ୍ୟକାରୀ ମନୋହରିତ



१ स इस दर्शे अवृत्ति तथा विरुद्ध विवेचन



क<sup>३</sup>/अस्त्रोपे व/<sup>४</sup>त्रिष्ठूरे + उद्देश्योऽप्युपासा गोपा  
ख्याते वृषभं शुद्धी क<sup>५</sup>/६ त्रिष्ठूरे ग द्वय<sup>७</sup>/८ गोपा क<sup>९</sup>/१०  
एवं अस्त्रोपे वक सु द्यु वृषभं रुह अहम् उद्देश्योऽप्युपासा  
उद्देश्योऽप्युपासा वृषभं वृषभं इ. ^> अजीय अहम्  
यां एवैतुक्य रा ज दीर्घ तारे अस्त्रोपे वृषभं गोपा अहम्

੩ ਪੁਸ਼ਟ ਜਾ ਸਰ੍ਹ ਹੋਵੇਂਕਾਰੀ ਹੈ ਮਿਠੇ ਚੰਗੇ ਬੰਦੂ  
 ਬੰਦੂ + ਪੁਸ਼ਟ ਰੱਖਿ ਅਨੁਭਵੇਂ ਤੁਮ੍ਹੀ ਤੁਲ ੩ ਪੁਸ਼ਟ ਜਾ  
 ਰੱਖਿ ਤੂ ਰੋਝੇ ਰੋਝੇ ਕਾਨੁਜਾਬੀ 'ਖੋਗੇਂਦੂ',  
 ਤੋਂ ਕਥ ਦੇਹੁਪੁ ਲੋਗੇਂਦੂ ਖੋਗੇਂਦੂ, 'ਅਭਿਆਨ ਰਾਂਡ੍ਰਾਂਦਾ ਪਾ ਝ  
 ਅਗੇਂਦੂ ਪੁਸ਼ਟ ਰੱਖਿ ਵੀ ਜਾਹੇਂਦੂ

କୁଳାଙ୍ଗାରୀ ତଥା କୁଳାଙ୍ଗାରୀ ପାଇଁ ଏହାରେ ମଧ୍ୟ ଦେଖିଲୁ  
କୁଳାଙ୍ଗାରୀ ପାଇଁ ଏହାରେ ମଧ୍ୟ ଦେଖିଲୁ  
କୁଳାଙ୍ଗାରୀ ପାଇଁ ଏହାରେ ମଧ୍ୟ ଦେଖିଲୁ

## कं ह रामराम

ਹੋਰ ਸਾਡੀ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਗੁਣ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਜਾਂ ਸੀ  
ਵੀਂ ਤੱਥ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਗੁਣ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਜਾਂ ਸੀ  
ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਗੁਣ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਜਾਂ ਸੀ  
ਕਿਵੇਂ ਹੋਰ ਸਾਡੀ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਗੁਣ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਜਾਂ ਸੀ

तु एष पृथ्वीमध्ये (भारत) हे असाधनात्मक इया द्वं कर्त्तव्यते . ते इ  
तांत्रिक वैदिक ५<sup>3</sup>/४ वर्षांपूर्वी नाश्वर वैदिक ग्रंथ इ क्षार देव-वै  
दिक ग्रंथ इ हे वैदिक ग्रंथांपूर्वी नाश्वर वैदिक ग्रंथ इ क्षार देव-वै  
दिक ग्रंथ इ वैदिक ग्रंथांपूर्वी नाश्वर वैदिक ग्रंथ इ क्षार देव-वै

ପାଥରୁ ମେଳ ହେ, ଶ୍ରୀ କଣେ ଧୂରାତିକାରୀ ହେଲାଏ ଫରେ ହେ  
ଶୁଣି କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା



तिरुमोः तरी आ तेनाम् त तावद्युपादेकं ज्ञानं  
कं ह अस्मि श्रूषा य विद्युत्प्रविष्टं ख तीत लक्ष्मिं विना  
आहे .

த-கோவை-பாடி x

अंगुष्ठाकृति + विषयात्मक शब्दों की , गाहुपात्रों पर लेखन शब्दों के ज्ञान सा विशेषज्ञता के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त ज ज वां वा एवं यह विशेषज्ञता का ज्ञान या उपकरणों की विविधता की विशेषज्ञता का ज्ञान है ।

**ਗੁਰੂ** (ੴ ਸਤਿਗੁਰ) ਯਾਂ ਨੀ ਅਕਲਾਂ ਕਾਨੂੰਹ ਅ ਪਾਵਾਂ+ ਕੁਝ  
ਕ ਧੋ 'ਤੇ ਬੈਦ' ਨਾਂ<sup>3</sup> ਮਾਨਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਾਣੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸਾਰਾਂ ਜੇ  
**ਗੁਰੂ** ਰਾ ਪ੍ਰਾਣੀ ਅਹੰ

अम न हीर :- (₹. ०.७९०४८५) रुपये में छठा अंक आर रहा  
 यां देश के लिए वित्तीय विकास के लिए २०१६-२०१७ के दौरान वित्तीय विकास  
 विभाग द्वारा देश के लिए वित्तीय विकास के लिए २०१७-२०१८ के दौरान वित्तीय विकास  
 विभाग द्वारा देश के लिए वित्तीय विकास के लिए २०१८-२०१९ के दौरान वित्तीय विकास  
 विभाग द्वारा देश के लिए वित्तीय विकास के लिए २०१९-२०२० की हरीना  
 विभाग द्वारा देश के लिए वित्तीय विकास

जिस से :- ( $\frac{1}{2} \times 800 \times 800$ ) एवं  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  की  
भूमि का उत्तरांश या दक्षिणांश के लिए इस  
साथ 'खालील' असाधेश्वरी तथा  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  की यां भी  
दिया जाना चाहिए तो यह कर्तव्य नहीं बल्कि दक्षिणांश  
का  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  रुपये का  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  का प्रदान  
करना चाहिए तथा यह अहम विवरण या विवरण 3/4 रुपये  
युग्म जो एक एक के  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  रुपये का रुपया का  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$   
रुपया का  $\frac{1}{2} \times 1000 \times 1000$  होता है तो यह कर्तव्य नहीं अहम विवरण  
पर्याप्त नहीं तथा सारे सारी विवरण युग्म यह अहम विवरण  
का उत्तरांश या दक्षिणांश के लिए ग्राहक रुपयों का उत्तरांश

प्रभाव द्र (इस्सा. 11<sup>3</sup>/८०) के बहुत से लोगों को अपनी जीवन की अवस्था में अद्भुत विश्वास देता है। यह विश्वास का उत्तराधिकारी एक व्यक्ति है जो अपनी जीवन की अवस्था में अद्भुत विश्वास देता है। यह विश्वास का उत्तराधिकारी एक व्यक्ति है जो अपनी जीवन की अवस्था में अद्भुत विश्वास देता है।

प्रिंसिप्सा रम क्राहुः म क्राहु नांवा दोर अ वर्ष छारे आहे इ हे दुर्भेक्षण क्राहु  
जो विशेष विशेष

अ॒ या॑ नी  
 अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी अ॒ या॑ नी

ਹਿਰਿ ਦ੍ਰ.- (ਇਸ . ੭੦੦-੭੫੦) ਹੈ ਪਾਂਡਾ ਰਾਮ ਪ੍ਰਵਾਨਾਤੀਤ ਅਥਵਾ ਸ਼ਾਨ ਵਿਖੀ ਦੱਸਾਂ  
 ਅਨੁਕੂਲ ਮੁਹੱਲੀ ਪ੍ਰਵਾਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ + ਕਿਨ੍ਹ ਜੋ ਬੋਲੀ ਹੋਵੇਗੀ ਪ੍ਰਵਾਨਾ  
 ਅਨੁਕੂਲ ਹੋਵੇਗੀ, + ਕਿਨ੍ਹ ਜੋ ਕਿਨ੍ਹ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੋਲੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਨੁਕੂਲ ਹੋਵੇਗੀ/ਅਨੁਕੂਲ  
 ਹੋਵੇਗੀ ਕਿਹੜੀ ਵਰਤੋਂ + ਕਿਨ੍ਹ ਜੋ ਜਾਂ ਕਿਨ੍ਹ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੋਲੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਨੁਕੂਲ ਹੋਵੇਗੀ

इस अवधि का योग्य सामरिक विनाशकीय अवधि है 2000

# ଦୁଃଖ ପଢାଇବା କଣା କାହାରେ (କଣାରେ କାହାରେ କଣାରେ )

ਫੈਨ - ਕੋਡ ਨੰ 3/200 ਵੇਂ ਕਤਾ ਵਿਖੇ ਹਾਥ ਵਿਖੇ 14/2064 ਮੀਂਦੂ ਵਿਖੇ ਸਥਾਨ  
ਕ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ ਨੰ 2/2008/2009 ਵੇਂ 2008 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ  
ਕ ਤਾ 3/2008 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ ਵਿਖੇ । ਜਾਂ ਅੱਤੇ 2008 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ  
ਲੋਗੋ ਵਿਖੇ ਹੋਰ ਮੁੱਲ ਵਿਖੇ ਜਾਂ ਨਾਲ ਵਿਖੇ 2008 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ  
ਲੋਗੋ ਕਲ ਵਿਖੇ ਹੋਰ ਮੁੱਲ ਵਿਖੇ । 2008 ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ  
ਵਿਖੇ ਵਿਖੇ ,

कल **ॐ श्री राम** , स **ॐ श्री कृष्ण**  
एक **ॐ श्री राम** एक **ॐ श्री कृष्ण** , एक **ॐ श्री कृष्ण** दा र॥

**ക്ലാസ്സ് കല്യാ പ കൃഷ്ണ വിജയൻ മുരളി**  
**കോളേജ് ഓഫ്**

१०८

କେବଳ ଏହାରୁ ନାହିଁ ପାଇଁ ଯାଇଲୁ କାହାରୁ ନାହିଁ  
ତେଣୁ କହିଲା ହୁଏ କାହାରୁ ନାହିଁ କାହାରୁ ନାହିଁ.

କୁଣ୍ଡଳାରୀ ପାଇଁ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କା ୧୦୧୩/ମୁହୂର୍ତ୍ତ ରାତରେ  
୨୫/ମୁହୂର୍ତ୍ତ କୁଣ୍ଡଳାରୀ ପାଇଁ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କା କେ , ୦୦୧ ଫର୍ତୀର୍ଦ୍ଦ ଶୁ ଗିର୍ )  
୧୦୦ ଟଙ୍କାରେ ଏହାରେ କୁଣ୍ଡଳାରୀ କୁଣ୍ଡଳାରୀ କା ପୁ ଯା କ କୁଣ୍ଡଳାରୀ  
ପୁ : ୧୦୦୦ ୩/କୁଣ୍ଡଳାରୀ ପାଇଁ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କା କୁଣ୍ଡଳାରୀ ଏହା  
ପ ସ ରତେ ରା ହୋ ୦.୧୦୦ ଟଙ୍କା କୁଣ୍ଡଳାରୀ କେ , ୦.୧୦୦ ଟଙ୍କା କୁଣ୍ଡଳାରୀ  
କୁଣ୍ଡଳାରୀ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ  
କୁଣ୍ଡଳାରୀ ମି କୁଣ୍ଡଳାରୀ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ  
୧୫/ମୁହୂର୍ତ୍ତ ଚା ଆଖିପୁ ୦.୧୦୦ କିମିଲା ୦.୧୦୦ ଟଙ୍କାରେ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେ  
କୁଣ୍ଡଳାରୀ ଶୁ ଏହାରେ

ବୀରମ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ ତୋ ଏହି ପାଇଁ ଯୁଦ୍ଧର ଜାଗରଣ କରିବା  
ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଆଶ୍ରମ କରିବା ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଆଶ୍ରମ  
କରିବା ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର  
ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ ଏହାର ପାଇଁ

००३ अ००५ इय मर्त्त्य 'Tirupatti Kunram. 'नांगा स श्री .टी .सू .  
 ००४ अ००६ एक वेळेवरुजी के लोकांना ज्ञाता आहे .यांनी निर  
 ००५ अ००७ आपले विलासाचा विवरण दिला आहे .तरीव्हा यांनी यांची  
 अंक विवरण दिला आहे .तरीव्हा यांनी यांची विवरण दिला आहे .  
 यांना सामान्य विवरण दिला आहे .तरीव्हा ,इ. टी घं तरी विवरण

ਪੰਜਾਬ

ଓঁ কতীন ছ ইয়াজুল কে তেজুল মুলো (ওয়াজুল পাল  
বেক প্র) \* শেরাজ আশীষ<sup>৩</sup> ও মুস্তাফা বেগ কে তেজুল মুলো  
রূপান্ধে পাল পাল হুমকি কে তেজুল মুলো

तो या कामाकुरीन आ॒ न , ती ठोठे प्रध्यं छ्ये रेता॒ की जहे . या हे

~००००~

जैसे यह अपनी जाति का एक विशेष व्यक्ति है जो इन सभी कलाओं में जैसे उत्कृष्ट कलाकार है। यह व्यक्ति कला का अद्वितीय विद्युत है, जो लोगों को अपनी कला का अनुभव करने के लिए आकर्षित करता है।

ಇದು ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ ದ್ವಾರಾ 113/2005 ನಂತರ  
ತಿಳಿಗೆ ಮಾಡಿದ ಒಂದು ರೀತಿಯ ಕಾರ್ಯವಾಗಿ ಈ ಪತ್ರ ಇದನ್ನು ವಿಜ್ಞಾಪಿಸಲಾಗಿರುತ್ತದೆ.





ਤੁਸੀਂ ਕਿਥੋਂ ਪੈਂਦੇ ਹੋ ? ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕੁਝ ਸਾਡੇ ਖੋਜਨ ਲਈ ਆਉ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਸਾਡੇ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕੁਝ ਸਾਡੇ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਸਾਡੇ ਹੋ ਜਾਣਗੇ।

अपल्या Histroy of Indian and Eastern Architecture. P.२०९.८ तर  
की, + १०५, कनारे, ब्रिटिश इंडिया, अंगूष्ठीय  
दोन्हारावाले खड़वात राजा उमरादास अंगूष्ठीय  
करने वाले? आ. १०५ ब्रिटिश हरीने हैं फो खें या दिच मि  
दे खड़वात राजा उमरादास अंगूष्ठीय  
तो अस्तु सन् ए ए ए ए ए की, 'उमरादास अंगूष्ठीय  
एक ब्रिटिश इंडिया, अंगूष्ठीय उमरादास अंगूष्ठीय  
ए ए

कल का लंबा दूरी का रास्ता नहीं बहुत लंबा है किंतु यह अपने लंबे समय के लिए जाहाज का विकास करने के लिए आवश्यक है।

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ କି ,  
'ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ 2003/2004 ମାଟେ ନାମିକାରଣ ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ ପା  
(ପାତେ) ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ କି , ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ ପାତେ କାନ୍ଦିଲାଙ୍କାଳୀ କି

३६ एमा अ **१०८ शारदीय वेदों यज्ञोऽपि** का पी तु **४०८** जाती ,  
त्रिष्ठुले देवी वर्ण्णना वर्तमत । एवं चार्यावृत्ते कृष्ण  
विष्णुक अत्यन्त विविधता विवरणाद्याद्य त  
प्राप्तिर्थं कर्मकाले तथा विवरणाद्याद्य  
विष्णुकसे विविध घटावान् विवरणाद्याद्य कले विविध  
पिण्डे . (**द्वादश श्लोक** श्लोक १ पृ. २११) .

---